Hindi Murli Quiz 06-11-2013

आप यहाँ से सिर्फ 20 मिनट की 3mb की ऑडियो mp3 मुरली डाउनलोड करके अच्छी तरह सुनके/पढके फिर ही क्विज करें. इससे १००/१०० आना आसान हो जायेगा :-)

धन्यवाद

ओम शांति

Q.1) **निराकारी दुनिया में जाते ही नॉलिज के संस्कार समाप्त हो जाते हैं, _____के संस्कार रह जाते हैं I जिन संस्कारों के आधार पर तुम बच्चे सतयुग में _____भोगते हो, वहां फिर पढ़ाई का वा पुरुषार्थ का संस्कार नहीं रहता है I _____मिल गई फिर ज्ञान ख़त्म हो जाता है I (मुरली के अनुसार, नीचे दिए गए उत्तरों में एक उत्तर सही है I उसे टिक करके तीनो उपरोक्त वाक्य पूरे करें)**

A. राजाई

B. प्रालब्ध

C. शान्ति

D. पवित्रता

Q.2) **इन्हे मिलायें ---------**

	Choice	Match
A	यह विनाश का समय बहुत कड़ा है I	साक्षात्कार से जानेंगे कि कितना पढ़ा है I फिर बहुत पछतायेंगे I
B	बाप समझाते बच्चे तुम्हारा यह फ़र्ज़ है हरेक को यह यात्रा की बात बताना I	बोलो, हमारी यह रुहानी यात्रा है I वह है जिस्मानी I
C	बाप कहते बच्चे साधुओं से बोलो कि तुम केवल छांछ जानते हो I	मक्खन खिलाने वाले को तुम जानते ही नहीं हो I
D	ब्रह्मा,विष्णु ,शंकर गाये जाते हैं सूक्ष्मवतन के I वह तो यहाँ आ न सकें I	प्रजापिता ब्रह्मा तो जरुर यहाँ होगा ना I सूक्ष्मवतन में तो प्रजा नहीं रचेंगे I

Explanation :

Q.3) **मुरली के अनुसार पियरघर व ससुरघर के विषय में दिए गये सभी सही वाक्यों को चयन (टिक) करें I**

A. इस समय तुम हो ब्रह्मापूरी में,इसको पियर घर कहा जाता है I

B. तुम जानते हो ससुरघर अर्थात विष्णुपुरी में ह्मको अपार सुख मिलने हैं I

C. बेहद के बाप के सम्बन्ध से निराकारी घर [शिवपुरी] को पियरघर भी कहते हैं I

D. तुम जानते हो कलियुगी ससुर घर में तो अपार दुख हैं I

Q.4) **भल कहा जाता है कि भक्तिमार्ग द्वापर से शुरू होता है और जिस्मानी यात्रायें भक्तिमार्ग से शुरू होती हैं, परन्तु वह भी कोई शुरुआत में नहीं होती हैं I मन्दिर,चित्र आदि फट से नही बन जाते I टाइम लगता है क्योंकि ------(फुल मार्क्स लेने के लिए सभी सही उत्तरों का चयन करें)**

A. फिर नये शास्त्र ,नये चित्र ,नये मन्दिर,नये तीर्थ स्थान बनते हैं I

B. आहिस्ता-आहिस्ता पढने वाले भी बढ़ते हैं I

C. मठ आदि वृद्धी को पाते हैं फिर शास्त्र बनाने पर विचार होता है I

D. पहले अव्यभिचारी भक्ति ,फिर व्यभिचारी भक्ति हो जाती है I कलायें कम होती जाती हैं I

E. पहले घरों में ही सोमनाथ का मन्दिर बनाते हैं,तो फिर कहीं जाने की दरकार नही रहती I

Q.5) **इन्हें मिलाइये ---**

	Choice	Match
A	याद ही तुम्हारी यात्रा है I	याद करते रहो तो खुशी का पारा चढ़े I
B	तीर्थों पर भी ब्राहमण लोग कथा कीर्तन करते हैं I	तुम्हारी तो एक ही सत्य नारायण की कथा है,नर से नारायण बनने की I
C	वह है निराकारी पियरघर,वहाँ नॉलिज के संस्कार निकल जाते हैं I	बाकी प्रालब्ध के संस्कार रह जाते हैं I
D	सुखधाम में तुम्हारे संस्कार ही प्रालब्ध के हो जायेंगे I	अभी हैं पुरुषार्थ के संस्कार I
E	जब लड़ाई आदि लगेगी फिर प्रैक्टिकल देख लेंगे I	फिर बहुत पछतायेंगे,उस समय पैदाई तो हो न सके I

Explanation :

Q.6)

वरदान के अन्दर बाबा ने सफलता प्राप्त करने के लिए बहुत डायरेक्शन दी है, वे क्या हैं ? (एक से अधिक सही उत्तर हो सकते हैं I फुल मार्क्स लेने के लिये सभी सही उत्तरों को टिक करो)

A. सदा स्वसेवा और औरों की सेवा साथ-साथ करो I
B. कभी अटेंशन का टेंशन नहीं रखना है I
C. "अटेंशन और अभ्यास" को अपना संस्कार बनाओ I
D. कमजोर नहीं बनो I
E. सदा स्वसेवा और औरों की सेवा का बैलेंस रख आगे बढ़ो I

Explanation : "अटेंशन और अभ्यास" ब्राह्मण आत्माओं का निजी संस्कार है। उसे बनाने की डरकर नही है ,केवल इमर्ज करना है।

Q.7) **यह ज्ञान मानसरोवर है, परमपिता परमात्मा आकर इस मनुष्य तन द्वारा ज्ञान सुनाते हैं, इसलिए इनको मान-सरोवर कहा जाता है I मान-सरोवर अक्षर सागर से निकला है I ज्ञान सागर में ज्ञान स्नान करना तो बहुत अच्छा है I**

A. True
B. False

Q.8) **आज की मुरली के अनुसार धारणा में दिए सभी बिन्दुओं को चयन [टिक] करें, तब ही फुल मार्क्स मिलेंगे** ----

A. बाप की पलकों पर बैठ कलियुगी दुखधाम से सुखधाम चलने के लिए अपना सब कुछ ट्रान्सफर कर देना है
B. ज्ञान स्नान करना है I
C. प्यार से सर्विस कर बाप के दिलतख्त पर बैठना है I
D. पुरुषार्थ के समय में अलबेला नहीं बनना है I

Q.9) **क्विज को और बेहतर बनाने के लिए आपके सुझावों का स्वागत है I**

Q.10) **"ज्ञानयुक्त रहमदिल बनो तो _____ दिल का वैराग्य आयेगा" I (आज के स्लोगन के अनुसार, नीचे दिए गए उत्तरों में केवल एक ही सही उत्तर है I उसे चयन / टिक करके उपरोक्त वाक्य पूरा करें)**

A. कमजोरियों से,
B. परेशानियों से ,
C. जिम्मेवारियों से,
D. मजबूरियों से ,

Q.11) **धर्मराज साक्षात्कार कराये बिना सजायें नहीं देंगे I पहले सब साक्षात्कार होंगे I फिर उस समय कर कुछ नहीं सकेंगे I कहेंगे हाय तक़दीर I तदबीर का समय तो गया I तो बाप कहते क्यों नहीं अभी पुरुषार्थ करते हो I**

A. True
B. False